बैगा आदिवासी कलाकार जोधईया बाई का निधन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **प्रसिद्ध** **बैगा आदिवासी कलाकार** **और** **पद्मश्री** पुरस्कार से सम्मानित जोधइया बाई का लंबी बीमारी के बाद मध्य प्रदेश के उमरिया ज़िले में **निधन हो गया।**

मुख्य बिंदु

- **बैगा जनजातीय कला में योगदान:**
- **जोधइया बाई ने बैगा जनजातीय कला को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई।
- कला के क्षेत्र में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये उन्हें वर्ष 2023 में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- **मुख्यमंत्री की ओर से संवेदना:**
- मुख्यमंत्री ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि **मध्यप्रदेश और देश ने एक ऐसी कलाकार खो दी है, जिसने अपना जीवन** **आदिवासी संस्कृति, कला और परंपराओं** को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिये समर्पित कर दिया।

बैगा जनजाति

- बैगा (जिसका अर्थ है जादूगर) **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (PVTG)** **में से एक है।**
- वे मुख्य रूप से छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में रहते हैं।
- परंपरागत रूप से बैगा **अर्द्ध-खानाबदोश जीवन व्यतीत करते थे और** **कटाई-जलाकर खेती** करते थे। अब वे अपनी आजीविका के लिये मुख्य रूप से **लघु वनोपज** पर निर्भर हैं।
- **बाँस** प्राथमिक संसाधन है।
- **टैटू बनवाना बैगा संस्कृति** का एक **अभिन्न हिस्सा है,** प्रत्येक आयु और शरीर के हिस्से के लिये एक विशेष टैटू निर्धारित होता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/baiga-tribal-artist-jodhaiya-bai-passed-away